

अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार



रजि.न.34300/80 | संख्या 310 | श्री विजयपुरम, रविवार, 22 नवंबर 2026 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रूपए

आईटीआई, डॉलीगंज में पाँचवाँ कौशल दीक्षांत समारोह आयोजित, मेधावी प्रशिक्षुओं को किया गया सम्मानित

"पर्यटन, डिजिटल तकनीक और नए अवसरों से बढ़ेगा रोज़गार"

"कौशल विकास से ही साकार होगा विकसित भारत 2047 का संकल्प"









श्री विजयपुरम, 21 नवंबर।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), डॉलीगंज, श्री विजयपुरम में आज पाँचवें कौशल दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

माननीय उप राज्यपाल ने शिल्प प्रशिक्षक प्रशिक्षण योजना एवं शिल्पकार प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षुओं को प्रमाणपत्र प्रदान किए तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों, टॉपर्स एवं पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर माननीय उप राज्यपाल 22 व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के प्रशिक्षार्थियों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का भी शुभारंभ किया।

इस अवसर पर युवाओं के कौशल विकास, तकनीकी दक्षता एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में व्यावसायिक प्रशिक्षण की महत्वपूर्ण भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा लखनऊ में देश के युवाओं को दिए जा रहे संबोधन का लाइव प्रसारण भी किया गया।

अपने संबोधन में माननीय उप राज्यपाल ने कहा कि किसी भी संस्थान की सफलता इस बात में है कि उसके युवा रोज़गार से जुड़ें। उन्होंने बताया कि आईटीआई, डॉलीगंज में सीटों से अधिक आवेदन प्राप्त होते हैं, जो यहाँ के गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण का प्रमाण है। द्वीपसमूह में लगभग 22 व्यवसायों में युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है और क्राफ्ट्समैन ट्रेनिंग स्कीम के तहत क्षमता 200 से बढ़कर 1,416 सीटों तक पहुँच गई है।

माननीय उप राज्यपाल ने कहा कि दीक्षांत समारोह शिक्षा का अंत नहीं, बल्कि नए व्यावसायिक जीवन की शुरुआत है। प्रशिक्षुओं से श्रम की गरिमा, अनुशासन, ईमानदारी और समर्पण को अपनाने का आह्वान करते हुए उन्होंने बताया कि इंडिया स्किल प्रतियोगिता में द्वीपसमूह के युवाओं ने क्षेत्रीय स्तर पर 13 और राष्ट्रीय स्तर पर 4 पदक जीते हैं। कौशल विकास के माध्यम से युवाओं को रोज़गार प्रदान कर माननीय प्रधानमंत्री के विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने पर उन्होंने बल दिया।

माननीय उप राज्यपाल ने कहा कि आने वाले समय में पर्यटन, आतिथ्य, परिवहन, निर्माण और तकनीकी सेवाओं में रोज़गार के व्यापक अवसर सृजित होंगे। एआई, डिजिटल तकनीक और नवीकरणीय ऊर्जा के युग में युवाओं को निरंतर अपने कौशल को उन्नत करना होगा। डिजिटल कनेक्टिविटी के विस्तार की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि चेन्नई के साथ–साथ ओडिशा के पुरी से भी वैकल्पिक सबमरीन केबल कनेक्टिविटी पर कार्य हो रहा है।

माननीय उप राज्यपाल ने कहा कि कार निकोबार, ग्रेट निकोबार, कैंपबेल बे एवं अन्य क्षेत्रों में विभिन्न विकास परियोजनाओं के माध्यम से रोज़गार के व्यापक अवसर उपलब्ध होंगे। प्रशासन का प्रयास है कि कोई भी युवा बेरोज़गार न रहे। उन्होंने माननीय सांसद श्री विष्णु पद राय द्वारा द्वीपसमूह के विकास एवं जनसुविधाओं से संबंधित विषयों को निरंतर उठाने के प्रयासों की भी सराहना की।

अंत में माननीय उप राज्यपाल ने अपने विद्यार्थी जीवन का प्रेरक प्रसंग साझा करते हुए प्रशिक्षुओं से प्रमाणपत्रों और पुरस्कारों को प्रेरणा के रूप में संजोकर रखने की सलाह दी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कौशल से सुसज्जित युवा 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

समारोह में माननीय सांसद श्री विष्णु पद राय, दक्षिण अण्डमान की उपायुक्त सुश्री पूर्वा गर्ग, श्रम, रोज़गार एवं प्रशिक्षण सचिव श्रीमती वंदना राव, दक्षिण अण्डमान की पुलिस अधीक्षक सुश्री श्वेता के. सुगथन, आईटीआई ,डॉलीगंज के प्रधानाचार्य श्री वेंकटेश सी.एच., सहित अधिकारी, शिक्षक, प्रशिक्षु एवं अभिभावक उपस्थित रहे।





अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा जी से आज लोक निवास, श्री विजयपुरम में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय सांसद श्री बिष्णु पद राय ने शिष्टाचार भेंटकर स्थानीय समस्याओं पर चर्चा की, जिसके शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए गए।





अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा जी से लोक निवास, श्री विजयपुरम में आईटीआईएलटीडी इंडिया के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री राजेश राय, सीएमडीआईटीआईएलटीडी ने शिष्टाचार भेंट की। बैठक में शेष 3 जनजातीय परिषदों को संशोधित भारतनेट कार्यक्रम के तहत इंटरनेट से जोड़ने का कार्य शीघ्र पूर्ण करने का आग्रह किया। इसके उपरांत प्रत्येक विद्यालय में स्मार्ट क्लास, पंचायतों, पुलिस थानों और अस्पतालों को भी भारतनेट से जोड़े जाने पर बल दिया। साथ ही बीएसएनएल द्वारा क्रियान्वित किए जा रहे अगले चरण के व्यक्तिगत इंटरनेट कनेक्शनों के कार्य में तेजी लाने के बारे में सार्थक चर्चा की।







अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा जी से आज लोक निवास, श्री विजयपुरम में उपाध्यक्ष, ज़िला परिषद, दक्षिण अण्डमान श्री असमंजय तथा पूर्व प्रधान श्री गोपाल गांगुली, श्री बालाजी मंदिर, सालासर, राजस्थान के श्री रवि पुजारी तथा श्री विजयपुरम नगरपालिका परिषद की अध्यक्षा श्रीमती एम. वसन्ता जी ने शिष्टाचार भेंट की।

द्वीपों में मना विश्व मत्स्य दिवस

श्री विजयपुरम, 21 नवंबर।

विश्व मत्स्य दिवस 2026 के अवसर पर आज यहां के मरीन हिल स्थित मत्स्य प्रशिक्षण केंद्र में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मछुआरों, मछली व्यापारियों, मछुआरा संघों के प्रतिनिधियों, मत्स्य सहकारी समितियों तथा मत्स्य विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर मत्स्य सचिव श्रीमती पल्लवी सरकार, भा.प्र.से., मुख्य अतिथि तथा मत्स्य निदेशक श्री नीलेश निशिकांत गुरव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

सभा को संबोधित करते हुए मत्स्य सचिव ने मत्स्य क्षेत्र के विकास में सहभागी योजना निर्माण के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि विकास योजनाओं एवं कार्यक्रमों के निर्माण में मछुआरों तथा अन्य संबंधित हितधारकों से सक्रिय रूप से परामर्श किया जाना चाहिए और उन्हें इसमें शामिल किया जाना चाहिए, ताकि प्रशासन द्वारा शुरू की जाने वाली पहलें आवश्यकता आधारित, व्यावहारिक तथा मछुआरा समुदाय की वास्तविक ज़रूरतों के अनुरूप हों।



कार्यक्रम के दौरान मत्स्य विभाग ने अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन द्वारा मत्स्य क्षेत्र के समग्र विकास के लिए संचालित विभिन्न विकासात्मक पहलों एवं चल रही परियोजनाओं की जानकारी दी। इसमें मत्स्य संबंधी आधारभूत संरचनाओं को सुदृढ़ करने तथा

शेष पृष्ठ 4 पर

सेल्यूलर जेल में ध्वनि एवं प्रकाश कार्यक्रम के समय में संशोधन

श्री विजयपुरम, 21 नवम्बर।

श्री विजयपुरम स्थित सेल्यूलर जेल में आयोजित ध्वनि एवं प्रकाश कार्यक्रम के समय में संशोधन किया गया है। प्राप्त विज्ञप्ति में सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन द्वारा आम जनता एवं पर्यटकों को सूचित किया गया है कि श्री विजयपुरम स्थित सेल्यूलर जेल में आयोजित ध्वनि एवं प्रकाश कार्यक्रम के समय में दिनांक 29 नवंबर, 2026 से प्रभावी रूप से संशोधन किया गया है।

संशोधित कार्यक्रम का समय निम्नानुसार निर्धारित किया गया है:–

क्र. सं.	कार्यक्रम	प्रारंभ का समय	समाप्ति का समय
1.	प्रथम शो	शाम 5.30 बजे	शाम 6.15 बजे
2.	द्वितीय शो	शाम 6.30 बजे	शाम 7.15 बजे
3.	तृतीय शो	शाम 7.30 बजे	शाम 8.15 बजे
4.	चतुर्थ शो	शाम 8.30 बजे	शाम 9.15 बजे

सभी पर्यटकों, आगंतुकों एवं अन्य संबंधित व्यक्तियों से अनुरोध किया गया है कि वे संशोधित समय–सारणी का ध्यान रखें तथा अपनी यात्रा की योजना इसी के अनुसार बनाएं।

होमस्टे संचालकों के लिए छह दिवसीय पाककला प्रशिक्षण एवं प्रमाणन कार्यक्रम संपन्न

श्री विजयपुरम, 21 नवंबर।

होमस्टे संचालकों के लिए 'पाककला कौशल, भोजन की साज–सज्जा एवं स्वच्छता' विषय पर आयोजित छह दिवसीय प्रशिक्षण एवं प्रमाणन कार्यक्रम का आज डॉ. बी.आर. अंबेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान (डीब्राइट), डॉलीगंज के होटल प्रबंधन विभाग स्थित क्यूटीके प्रयोगशाला में समापन सत्र के साथ सम्पन्न हुआ।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के पर्यटन निदेशालय द्वारा मुंबई स्थित होटल प्रबंधन, खानपान प्रौद्योगिकी एवं अनुप्रयुक्त पोषण संस्थान (आईएचएम) के सहयोग से सूक्ष्म, लघु एवं मझौले उद्यमों के प्रदर्शन को बढ़ावा देने एवं गति प्रदान करने की योजना (आरएएमपी) के अंतर्गत आयोजित यह प्रशिक्षण



कार्यक्रम 16 से 21 नवंबर, 2026 तक संचालित किया गया।

शेष पृष्ठ 4 पर

अण्डमान–निकोबार पुलिस भर्ती: दस्तावेजों की जांच के लिए चयनित अभ्यर्थियों हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश जारी

श्री विजयपुरम, 21 नवंबर। अण्डमान तथा निकोबार पुलिस विभाग द्वारा दिनांक 18.11.2026 को जारी प्रेस नोट संख्या 827 के संदर्भ में, अण्डमान तथा निकोबार पुलिस में विभिन्न समूह 'बी' (अराजपत्रित) एवं समूह 'सी' पदों पर भर्ती के संबंध में दस्तावेज़ों की जांच के लिए चयनित अभ्यर्थियों को निम्नलिखित निर्देशों का पालन करने के लिए सूचित किया गया है:

1. अभ्यर्थियों की सूची: दस्तावेज़ों की जांच के लिए चयनित अभ्यर्थियों की सूची, जिसमें जांच की तिथि, समय एवं स्थान का उल्लेख है, अण्डमान तथा निकोबार पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट **https://police.andamannicobar.gov.in** पर उपलब्ध है।

2. निर्धारित समय पर उपस्थित होना: अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि एवं समय पर दस्तावेज़ों की जांच के लिए निर्धारित स्थल पर उपस्थित होना होगा। किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने के लिए उन्हें निर्धारित समय से काफी पहले पहुंचने की सलाह दी गई है।

3. पीएमएंडईटी उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के लिए: पीएमएंडईटी उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को सत्यापन के समय अपनी उत्तीर्ण क्यूआरजे पर्ची साथ लानी होगी।

4. मूल दस्तावेज़ एवं छायाप्रतियां: अभ्यर्थियों को सत्यापन के लिए सभी संबंधित मूल दस्तावेजों के साथ उनकी स्वप्रमाणित छायाप्रतियों का एक सेट लाना अनिवार्य होगा। इनमें शैक्षणिक योग्यता प्रमाण–पत्र, अंकपत्र, जन्मतिथि का प्रमाण, श्रेणी प्रमाण–पत्र, अनुभव प्रमाण–पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस तथा अन्य संबंधित दस्तावेज़ शामिल हैं।

5. पात्रता संबंधी शर्तें: अभ्यर्थियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि निर्धारित महत्वपूर्ण तिथि तक उनके पास आवेदन किए गए पद के लिए निर्धारित शैक्षणिक योग्यताएं, अनुभव, वैध ड्राइविंग लाइसेंस तथा अन्य सभी पात्रता संबंधी मानदंड उपलब्ध हों।

6. आरक्षण एवं आयु में छूट संबंधी प्रमाण–पत्र: आरक्षण, आयु में छूट अथवा किसी अन्य रियायत का दावा करने वाले अभ्यर्थियों को, जहां लागू हो, सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी वैध सहायक प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करने होंगे।

7. फोटो पहचान–पत्र: अभ्यर्थियों को सत्यापन के लिए अपना वैध मूल फोटो पहचान–पत्र साथ लाना अनिवार्य होगा।

8. ऑनलाइन आवेदन एवं मूल दस्तावेजों में विसंगति: ऑनलाइन आवेदन पत्र में दी गई जानकारी तथा दस्तावेज़ों की जांच के दौरान प्रस्तुत मूल दस्तावेज़ों में किसी भी प्रकार की विसंगति पाए जाने पर अभ्यर्थिता रद्द की जा सकती है। ऐसी स्थिति में अभ्यर्थियों को हुए परिवर्तन अथवा की गई त्रुटियों की पुष्टि के लिए पर्याप्त प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे।

9. आवश्यक दस्तावेज़ प्रस्तुत नहीं करने पर अभ्यर्थिता रद्द: जो अभ्यर्थी आवश्यक मूल दस्तावेज़ अथवा वैध प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करने में असफल रहेंगे या संबंधित पद के लिए निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं करेंगे, उनकी संबंधित पद अथवा पदों के लिए अभ्यर्थिता रद्द की जा सकती है।

10. निर्धारित महत्वपूर्ण तिथि के बाद जारी प्रमाण–पत्र: निर्धारित महत्वपूर्ण तिथि के बाद जारी किए गए दस्तावेज़ों एवं प्रमाण–पत्रों को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

11. दस्तावेज़ सत्यापन जांच सूची: अभ्यर्थियों की जानकारी एवं मार्गदर्शन के लिए दस्तावेज़ सत्यापन की जांच सूची अण्डमान तथा निकोबार पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे दस्तावेज़ों की जांच के लिए उपस्थित होने से पहले इस जांच सूची को ध्यानपूर्वक पढ़ें तथा उसमें निर्धारित सभी आवश्यकताओं का अनुपालन सुनिश्चित करें।

12. फर्जी एवं भ्रामक दस्तावेज़ प्रस्तुत करने पर कार्रवाई: गलत, जाली, मनगढ़ंत अथवा भ्रामक दस्तावेज़ या जानकारी प्रस्तुत करने पर अभ्यर्थिता रद्द की जा सकती है तथा लागू नियमों के अनुसार आगे की कानूनी कार्रवाई भी की जा सकती है।

13. दस्तावेज़ों की जांच में उपस्थित होना चयन का अधिकार नहीं: दस्तावेज़ों की जांच में उपस्थित होने मात्र से अभ्यर्थी को चयन अथवा नियुक्ति का कोई अधिकार प्राप्त नहीं होगा। अभ्यर्थिता पात्रता, दस्तावेज़ों की प्रामाणिकता तथा निर्धारित सभी शर्तों को पूरा करने के सत्यापन के अधीन रहेगी।

14. भर्ती संबंधी निर्देशों का पालन: अभ्यर्थियों को दिनांक 24.04.2026 की भर्ती अधिसूचना और अण्डमान तथा निकोबार पुलिस द्वारा इसके बाद जारी किए गए सभी नोटिसों में दिए गए निर्देशों का कड़ाई से पालन करना होगा।

15. आधिकारिक वेबसाइट नियमित रूप से देखें: अभ्यर्थियों को आगे की जानकारी एवं निर्देशों के लिए अण्डमान तथा निकोबार पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट **https://police.andamannicobar.gov.in** नियमित रूप से देखने की सलाह दी गई है।

पुलिस अधीक्षक (भर्ती) से प्राप्त विज्ञप्तिके अनुसार किसी भी प्रकार की जानकारी अथवा पूछताछ के लिए अभ्यर्थी पुलिस मुख्यालय, श्री विजयपुरम, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह स्थित भर्ती प्रकोष्ठ से संपर्क कर सकते हैं। इसके लिए ईमेल पता **recruitment.phq@and.nic.in** अथवा दूरभाष संख्या 03192–230735 पर सभी कार्य दिवसों में प्रातः 9.30 बजे से सायं 5 बजे तक संपर्क किया जा सकता है।

जनजातीय स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों को बाज़ार उपलब्ध कराने के लिए ट्राइफेड के साथ सहयोग की पहल

श्री विजयपुरम, 21 नवंबर। जनजातीय समुदायों की आजीविका को सुदृढ़ करने तथा उनके उत्पादों को बेहतर बाज़ार उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, ग्रामीण विकास निदेशालय के तत्वावधान में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह ग्रामीण आजीविका मिशन (एएनआईआरएलएम) ने जनजातीय स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) द्वारा तैयार किए गए उत्पादों के संवर्धन एवं विपणन के लिए भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास महासंघ (ट्राइफेड) तथा जनजातीय कल्याण विभाग के साथ सहयोग स्थापित करने की पहल की है।

इस कार्यक्रम में ग्रामीण विकास निदेशक तथा ट्राइफेड के क्षेत्रीय प्रमुख ने भाग लिया। ग्रामीण विकास निदेशक ने जनजातीय उत्पादों को बढ़ावा देने तथा जनजातीय स्वयं सहायता समूहों के लिए बाज़ार के अवसरों को सुदृढ़ करने हेतु सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए ट्राइफेड के प्रयासों की सराहना की।

इस पहल का उद्देश्य जनजातीय स्वयं सहायता समूहों को अपने पारंपरिक उत्पादों, हस्तशिल्प, स्थानीय स्तर पर निर्मित वस्तुओं तथा अन्य मूल्यवर्धित उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच उपलब्ध कराना है। ट्राइफेड के साथ इस सहयोग से जनजातीय स्वयं सहायता समूहों को बाज़ार की आवश्यकताओं, उत्पादों की



गुणवत्ता संबंधी मानकों, पैकेजिंग, मूल्य निर्धारण तथा व्यापक बाज़ार तक पहुंच बनाने के अवसरों को समझने में सहायता मिलने की परिकल्पना की गई है।

इस क्रेता बैठक के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों के प्रतिनिधियों और ट्राइफेड के अधिकारियों के बीच संवाद का अवसर भी मिला। इसमें समूहों के मौजूदा उत्पादों, उत्पादन क्षमता तथा विपणन सहायता के संभावित क्षेत्रों पर चर्चा की गई। भविष्य में विपणन संबंधी सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्वयं सहायता समूहों का पंजीकरण भी किया गया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस पहल से बाज़ार की संभावनाओं वाले उत्पादों की पहचान करने तथा उनके प्रचार–प्रसार एवं बिक्री के लिए उपयुक्त माध्यम तलाशने में सहायता मिलने की उम्मीद है।

सरस आजीविका मेला–2026 के सातवें दिन सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

श्री विजयपुरम, 21 नवंबर। अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के ग्रामीण विकास, पंचायती राज संस्था एवं शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय द्वारा यहां के वीआईपी रोड स्थित प्रदर्शनी मैदान में आयोजित सरस आजीविका मेला–2026 के सातवें दिन भी लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। शाम को आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में द्वीपसमूह के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिभागियों ने पारंपरिक नृत्य, सामुदायिक गीतों तथा संगीतमय प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी सांस्कृतिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

मेले के सातवें दिन कुल 2,14,383 रुपये की बिक्री दर्ज़ की गई, जबकि लगभग 650 लोगों ने मेले का भ्रमण किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में कुल 12 प्रस्तुतियां दी गईं, जिनमें ननकौड़ी, कैंपबेल बे, रंगत तथा मायाबंदर के व्यक्तिगत कलाकारों एवं सामुदायिक समूहों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ एकल गायन प्रस्तुतियों से हुआ। इसके बाद ननकौड़ी एवं कैंपबेल के प्रतिभागियों ने समूह नृत्य प्रस्तुत किए और द्वीपों के



स्थानीय समुदायों की कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार यह मेला 29 नवंबर, 2026 तक जारी रहेगा। ग्रामीण विकास, पंचायती राज संस्था एवं शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय ने आम जनता से मेले में आकर ग्रामीण महिला उद्यमियों एवं कारीगरों के प्रयासों को प्रोत्साहित करने तथा उनके उत्पादों को समर्थन देने की अपील की है।

डिगलीपुर में दो दिवसीय दिव्य कला मेला एवं दिव्य कला शक्ति कार्यक्रम का सफल आयोजन

डिगलीपुर, 21 नवंबर। समग्र शिक्षा के समावेशी शिक्षा प्रभाग के अंतर्गत खंड परियोजना कार्यालय, डिगलीपुर, उत्तर अण्डमान द्वारा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) के लिए 18 नवंबर, 2026 को दिव्य कला मेला तथा 19 नवंबर, 2026 को दिव्य कला शक्ति कार्यक्रम सहित दो दिवसीय कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

18 नवंबर, 2026 को सुभाषग्राम पंचायत भवन में दिव्य कला मेले का आयोजन किया गया, जिसमें विशेष आवश्यकता वाले बच्चों, उनके अभिभावकों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार की प्रदर्शनी एवं रचनात्मक गतिविधियां प्रस्तुत की गईं। विद्यार्थियों ने अपने हाथों से बनाई गई वस्तुओं एवं रचनात्मक कलाकृतियों का प्रदर्शन किया, वहीं हस्तशिल्प प्रशिक्षकों ने अपने हस्तशिल्प उत्पाद प्रदर्शित किए। विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के अभिभावकों ने भी खाद्य पदार्थों के स्टॉल लगाकर सक्रिय भागीदारी निभाई। इस कार्यक्रम ने बच्चों एवं उनके परिवारों को अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता और कौशल प्रदर्शित करने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया।

कार्यक्रम में डॉ. एम. मलिका मुख्य अतिथि के रूप में, सुभाषग्राम ग्राम पंचायत के प्रधान श्री सिंगारम सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इनके अतिरिक्त खंड परियोजना अधिकारी डॉ. सी. पुष्पवल्ली तथा राजकीय प्रवर माध्यमिक विद्यालय, केरलापुरम की आंतरिक पर्यवेक्षक सुश्री फातिमा बीबी भी उपस्थित रहीं।

डिगलीपुर के बहुउद्देशीय हॉल में 19 नवंबर, 2026 को दिव्य कला शक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम ने विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को अपनी सांस्कृतिक एवं कलात्मक प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए एक जीवंत मंच प्रदान किया। बच्चों ने फैंसी



ड्रेस, गायन, एकल नृत्य, योग तथा अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों सहित विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस आयोजन में प्रत्येक प्रतिभागी बच्चे की क्षमताओं, आत्मविश्वास और रचनात्मकता का उत्सव मनाया गया तथा समावेशिता एवं समान अवसरों की भावना को प्रोत्साहित किया गया।

दो दिवसीय इस कार्यक्रम का उद्देश्य विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की सहभागिता को प्रोत्साहित करना, उन्हें अपनी क्षमताओं एवं प्रतिभाओं को अभिव्यक्त करने के अवसर प्रदान करना तथा अभिभावकों, शिक्षकों और समुदाय की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से समावेशी शिक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, दोनों कार्यक्रमों का सफल आयोजन खंड परियोजना अधिकारी डॉ. सी. पुष्पवल्ली के मार्गदर्शन में संभव हुआ। इस दौरान सुश्री एस. विजया, बीआरपी (विशेष आवश्यकता वाले बच्चे) ने कार्यक्रम समन्वयक के रूप में अपनी भूमिका निभाई। दो दिवसीय यह उत्सव 19 नवंबर, 2026 को हर्षोल्लासपूर्ण सहभागिता के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर बच्चों की प्रतिभा एवं उपलब्धियों की सराहना की गई।

शहीद द्वीप में फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा हुआ

शहीद द्वीप, 21 नवंबर। अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के पर्यटन निदेशालय ने नोएडा स्थित भारतीय फोटोग्राफी संस्थान (आईआईपी) के सहयोग से सूक्ष्म, लघु एवं मझौले उद्यमों के प्रदर्शन को बढ़ावा देने एवं गति प्रदान करने की योजना (आरएएमपी) के अंतर्गत आयोजित आठ दिवसीय व्यापक प्रशिक्षण एवं प्रमाणन कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न किया। शहीद द्वीप में 12 से 19 नवंबर तक आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय युवाओं को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप रचनात्मक एवं तकनीकी कौशल से सशक्त बनाना था।

इस गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम में दृश्य कला एवं प्रौद्योगिकी से जुड़े विभिन्न विषयों को शामिल किया गया, जिनमें फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, ड्रोन इमेजिंग, कैमरे का संचालन तथा फोटो एवं वीडियो के संपादन और परिष्करण की तकनीकें प्रमुख थीं। इसके अतिरिक्त, प्रतिभागियों को पानी के भीतर फोटोग्राफी तथा खगोलीय फोटोग्राफी जैसे विशिष्ट क्षेत्रों में भी विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण सत्रों का संचालन आईआईपी, नोएडा की विशेषज्ञ



संकाय सदस्य सुश्री गरिमा चौधरी एवं श्री आसिफ खान ने किया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार समापन सत्र के दौरान आठ दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर शहीद द्वीप ग्राम पंचायत की प्रधान श्रीमती पिंकी दास तथा पोर्ट ब्लेयर पंचायत समिति की प्रमुख श्रीमती चंपा दास उपस्थित रहीं।

राष्ट्रीय पुस्तक सप्ताह का समापन, कार्मेल स्कूल को मिली सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की विशेष ट्रॉफी

श्री विजयपुरम, 21 नवंबर। राज्य पुस्तकालय के सम्मेलन कक्ष में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह के साथ कल राष्ट्रीय पुस्तक सप्ताह–2026 का समापन हुआ। सप्ताहभर चले इस आयोजन के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कार्मेल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय को इस वर्ष सर्वश्रेष्ठ समग्र प्रदर्शन करने वाले विद्यालय की विशेष ट्रॉफी प्रदान की गई।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राजकीय बालिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती अर्चना सिंह ने शिक्षा विभाग द्वारा राज्य पुस्तकालय में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले विद्यार्थियों के उत्साह एवं उनके सराहनीय प्रयासों की प्रशंसा की।

उप शिक्षा निदेशक (योजना) श्री ओम प्रकाश ने विद्यार्थियों के जीवन में पुस्तकों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें नियमित रूप से पढ़ने की आदत विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर कार्मेल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की कक्षा दसवीं की कुमारी फिज़ा तारिक़ तथा कक्षा नौवीं के कुमार मोहम्मद



इरफान ने वरिष्ठ वर्ग में क्रमशः अंग्रेज़ी एवं हिंदी में अपने पुरस्कार विजेता भाषण प्रस्तुत किए, जिनकी उपस्थित लोगों ने सराहना की।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम के प्रारंभ में राज्य पुस्तकालय की नोडल अधिकारी श्रीमती बिंदु वर्मा ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का स्वागत किया। अंत में राज्य पुस्तकालय के प्रभारी श्री अनबरासन के धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह सम्पन्न हुआ।

होमस्टे संचालकों के लिए छह दिवसीय पाककला ——————पृष्ठ 1 का शेष

प्रशिक्षण सत्रों का संचालन मुंबई स्थित आईएचएम के प्रख्यात व्याख्याता–सह–शेफ श्री अमोल बालकावडे ने किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वर्तमान एवं भावी होमस्टे संचालकों तथा उनके कर्मचारियों को व्यावहारिक पाककला संबंधी ज्ञान और पेशेवर खाद्य सेवा मानकों से परिचित कराना था। छह दिनों के दौरान प्रतिभागियों को भोजन तैयार करने, उसकी साज–सज्जा एवं प्रस्तुति, रसोई की स्वच्छता तथा भंडार प्रबंधन से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं संवादात्मक सत्रों में भाग लेने का अवसर मिला।

प्रशिक्षण के प्रमुख विषयों में स्थानीय अण्डमान उत्पादों एवं आयुर्वेदिक सिद्धांतों के आधार पर संतुलित और पौष्टिक भोजन–सूची तैयार करना, खाद्य सामग्री की लागत एवं परोसने की निर्धारित मात्रा का प्रबंधन कर भोजन की बर्बादी कम करना तथा लाभ का उचित मार्जिन बनाए रखना शामिल था। इसके अलावा, खाद्य पदार्थों के लेबल, एलर्जी संबंधी चेतावनियों तथा द्वीपों की आर्द्र जलवायु के अनुकूल भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के सुरक्षा मानकों की जानकारी भी दी गई। प्रतिभागियों को अंतरराष्ट्रीय व्यंजन शैली की मिठाइयां, मूल ग्रेवी तथा विभिन्न सॉस तैयार करने का व्यावहारिक प्रदर्शन भी कराया गया।

समापन सत्र को संबोधित करते हुए पर्यटन निदेशक सुश्री आकांक्षा सिंह, भा.प्र.से., ने कहा कि होमस्टे संचालक पर्यटकों के सीधे संपर्क में रहते हैं और उनका व्यवहार एवं आतिथ्य सत्कार अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की छवि को सीधे तौर पर प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा कि जब पर्यटक द्वीपों की प्राकृतिक सुंदरता के साथ–साथ यहां के स्थानीय लोगों के आत्मीय व्यवहार और गर्मजोशी की सराहना करते हैं, तो उनके सकारात्मक अनुभवों से मिलने वाला मौखिक प्रचार गंतव्य को वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण के दौरान अर्जित कौशल को अपने दैनिक कार्यों में अपनाने का आग्रह किया। साथ ही, होमस्टे संचालन के सभी पहलुओं में अपने–अपने कर्मचारियों को भी प्रशिक्षित करने तथा उनके कौशल को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया, ताकि पर्यटकों को निरंतर गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

अंतिम मूल्यांकन के बाद उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली सुश्री शशिता, सुश्री संध्या कुमारी तथा शबनम बीबी को व्याख्याता–सह–शेफ श्री अमोल बालकावडे द्वारा पुरस्कार स्वरूप पेशेवर शेफ चाकू प्रदान किए गए।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार समापन सत्र के अंत में प्रशिक्षण में भाग लेने वाले होमस्टे संचालकों एवं कर्मचारियों को प्रमाण–पत्र वितरित किए गए। यह कार्यक्रम आरएएमपी योजना के अंतर्गत ज़मीनी स्तर पर पर्यटन उद्यमिता को सशक्त बनाने तथा पूरे द्वीपसमूह में आतिथ्य सेवाओं के मानकों को बेहतर बनाने के लिए पर्यटन निदेशालय द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयासों की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित हुआ।

द्वीपों में मना विश्व मत्स्य दिवस ——————पृष्ठ 1 का शेष

मछुआरा समुदाय के लिए सुविधाओं में सुधार करने पर विशेष ज़ोर दिया गया। इस अवसर पर एक संवादात्मक सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें मछुआरा संघों के प्रतिनिधियों तथा अन्य हितधारकों ने मछुआरों के कल्याण, आधारभूत संरचनाओं के विकास, बीमा कवरेज तथा समूह दुर्घटना बीमा योजना के क्रियान्वयन से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर अपनी समस्याएं एवं सुझाव साझा किए। मत्स्य सचिव ने प्रतिभागियों के साथ संवाद किया तथा उनके विचारों एवं सुझावों को सुना।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस आयोजन ने प्रशासन और मत्स्य क्षेत्र से जुड़े हितधारकों के बीच रचनात्मक संवाद के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया। साथ ही, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में मत्स्य क्षेत्र के सतत विकास के लिए सहयोगात्मक प्रयासों, हितधारकों की भागीदारी तथा आवश्यकताओं पर आधारित पहलों के महत्व को पुनः रेखांकित किया।

विम्बर्लीगंज में अंतर–विद्यालय खो–खो प्रतियोगिता हुई

श्री विजयपुरम, 21 नवंबर। दक्षिण अण्डमान के विम्बर्लीगंज शैक्षिक अंचल द्वारा आज मिनी स्टेडियम, विम्बर्लीगंज में 17 वर्ष से कम आयु वर्ग के बालक एवं बालिकाओं के लिए अंतर–विद्यालय खो–खो नॉकआउट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कल खेले गए अंतिम मुकाबलों में 17 वर्ष से कम आयु वर्ग के बालकों में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, टुसनाबाद ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, विम्बर्लीगंज को पराजित किया, जबकि बालिका वर्ग में क्रेसेंट पब्लिक स्कूल ने एमईएस आज़ाद नगर को हराकर जीत हासिल की।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस अवसर पर विम्बर्लीगंज की उप शिक्षा अधिकारी श्रीमती ज्योति मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित



रहीं। उन्होंने विजेता टीमों को ट्रॉफियां, पदक एवं प्रमाण–पत्र वितरित किए। उन्होंने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों के सराहनीय प्रदर्शन की प्रशंसा की तथा आगामी राज्य स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

भारत और पोलैंड के साझा इतिहास पर फिल्म निर्माण को लेकर आगे चर्चा की जरूरत पर जोर : उद्घाटन फिल्म फादरलैंड की निर्माता ईवा पुस्ज़िन्स्का

प्रख्यात पोलिश फिल्म निर्माता और 57वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफी) की उद्घाटन फिल्म फादरलैंड की निर्माता ईवा पुस्ज़िन्स्का ने कहा कि फिल्में भले ही रातोंरात दुनिया को न बदल सकें, लेकिन वे लोगों की सोच को व्यापक बनाने, संवाद को बढ़ावा देने और उन्हें अपने आसपास की दुनिया पर गंभीरता से विचार करने के लिए प्रेरित करने की क्षमता रखती हैं।

इफी में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सिनेमा लोगों के बीच संवाद को बढ़ावा देने और उन्हें विभिन्न दृष्टिकोणों को समझने का अवसर देकर एक–दूसरे के करीब लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा, "हमें अपनी फिल्मों के माध्यम से लोगों से संवाद करना चाहिए। हमें उन्हें जीवन के विभिन्न पहलुओं और दुनिया के अलग–अलग नजरियों से परिचित कराना चाहिए।"

समकालीन समाज में बढ़ते मतभेदों पर विचार व्यक्त करते हुए पुस्ज़िन्स्का ने कहा कि किसी एक विचार, दृष्टिकोण या एजेंडे को ही सही नहीं माना जा सकता। उन्होंने चिंता जताई कि आज लोग एक–दूसरे की बात सुनने की अपेक्षा अपने ही नैरेटिव पर अड़े रहते हैं। उन्होंने कहा, "कोई एक एजेंडा या विचार ही पूरी तरह सही नहीं हो सकता। हमें एक–दूसरे से बातचीत करनी चाहिए और आपसी सहमति के साझा आधार तलाशने चाहिए।"

फादरलैंड को कई परतों वाली कहानी बताते हुए पुस्ज़िन्स्का ने कहा कि यह फिल्म ऐसे विषयों को सामने लाती है, जो आज की दुनिया से गहराई से जुड़े हैं। वर्ष 1949 में विभाजित यूरोप की पृष्ठभूमि पर बनी यह फिल्म पूर्व और पश्चिम के बीच की खाई के साथ–साथ उन विभाजनों को भी दर्शाती है, जो आज भी समाज को प्रभावित कर रहे हैं। फिल्म पहचान और अपनेपन जैसे सवालों को भी उठाती है, खासकर ऐसे दौर में जब दुनिया में पलायन की प्रवृत्ति बढ़ रही है। फिल्म के माध्यम से अपनी मातृभूमि से व्यक्ति के जटिल रिश्ते को रेखांकित करते हुए उन्होंने सवाल किया, "आपका 'फादरलैंड' (मातृभूमि) कहाँ है? वह देश जहां आप रहते हैं या वह भाषा जो आप बोलते हैं? वह स्थान जहां से आपका इतिहास जुड़ा है या वह देश जहां आप वर्तमान में रह रहे हैं?" उन्होंने ये सवाल उठाते हुए बताया कि फिल्म किस तरह व्यक्ति और उसकी मातृभूमि के बीच के जटिल संबंधों को दर्शाती है।

प्रसिद्ध जर्मन लेखक थॉमस मान और उनके परिवार की कहानी के माध्यम से फादरलैंड संस्कृति और समाज के बीच के संबंधों को भी दर्शाती है। पुस्ज़िन्स्का ने कहा कि साहित्य और सांस्कृतिक जगत की प्रतिष्ठित हस्तियां लोगों के लिए प्रेरणा और आदर्श का स्रोत बन सकती हैं। यह फिल्म परिवार के भीतर के जटिल रिश्तों को भी सामने लाती है, जिनमें माता–पिता और बच्चों, भाई–बहनों तथा कलाकारों के बीच के संबंध



शामिल हैं। इसके अलावा, यह उन चुनौतियों को भी दर्शाती है, जिनका सामना प्रसिद्ध कलाकारों के बच्चों को करना पड़ता है। उनसे अक्सर यह अपेक्षा की जाती है कि वे भी अपने माता–पिता जैसी उपलब्धियां हासिल करें। व्यापक परिप्रेक्ष्य में, यह फिल्म इस बात को भी रेखांकित करती है कि इतिहास की बड़ी घटनाएं किस तरह आम लोगों के रोजमर्रा के जीवन को प्रभावित करती हैं।

फिल्म के विजुअल ट्रीटमेंट के बारे में बताते हुए पुस्ज़िन्स्का ने कहा कि फादरलैंड को ब्लैक एंड व्हाइट शैली में 4:3 आस्पेक्ट रेशियो में फिल्माया गया है। इसके लिए उन्होंने निर्देशक पावेल पावलिकोव्स्की के साथ अपनी पिछली फिल्मों इडा और कोल्ड वॉर में अपनाई गई विजुअल अप्रोच को ही आगे बढ़ाया है। इस शैली को चुनने का उद्देश्य फिल्म में दर्शाए गए उस दौर को अधिक वास्तविक रूप देना था।

उन्होंने कहा, "हम चाहते थे कि फिल्म में उस समय का वास्तविक परिवेश और एहसास नजर आए, जिसकी कहानी हम कह रहे हैं। फादरलैंड को इस ट्रिलॉजी (तीन फिल्मों की श्रृंखला) की तीसरी फिल्म के रूप में देखा जा सकता है।"

वहीं, फिल्म के निर्माण की प्रक्रिया के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि फादरलैंड पोलैंड, जर्मनी, इटली और फ्रांस के बीच एक अंतरराष्ट्रीय को–प्रोडक्शन है। हालांकि फिल्म की कहानी जर्मनी की पृष्ठभूमि पर आधारित है, लेकिन इसकी लगभग 95 प्रतिशत शूटिंग पोलैंड में की गई है। फिल्म की रचनात्मक और तकनीकी टीम में भी मुख्य रूप से पोलैंड के पेशेवर शामिल थे। पोलैंड में ऐसे उपयुक्त स्थान उपलब्ध थे, जो वर्ष 1949 के जर्मनी का वास्तविक परिवेश रचने में मददगार साबित हुए। इनमें जर्जर और उपेक्षित सड़कें, इमारतें तथा छोटे कस्बे शामिल थे। पुस्ज़िन्स्का ने भारत और पोलैंड के साझा इतिहास पर फिल्म बनाने की संभावना तलाशने में भी रुचि दिखाई। इस संदर्भ में उन्होंने विशेष रूप से द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भारत में शरण लेने वाले पोलिश बच्चों की कहानी का उल्लेख किया। इफी के महोत्सव निदेशक आशुतोष गोवारिकर के साथ इस विषय पर हुई बातचीत का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि श्री गोवारिकर इस विषय पर पहले ही एक स्क्रिप्ट लिख चुके हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस दिशा में बातचीत आगे बढ़ेगी और इस परियोजना को साकार करने की संभावनाएं तलाशी जाएंगी।

9 महीने में 1 करोड़ से ज्यादा बच्चियों को लगा एचपीवी टीका, सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ देश की बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली, 21 नवम्बर।

देश ने सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के अपने प्रयासों में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। 'राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान' के तहत, इसके शुरू होने के नौ महीने से भी कम समय में ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) वैक्सीन की 1 करोड़ से अधिक खुराकें दी जा चुकी हैं। यह उपलब्धि किशोरियों को एचपीवी संक्रमण से बचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो आगे चलकर सर्वाइकल कैंसर का कारण बन सकता है।

फरवरी 2026 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया यह राष्ट्रव्यापी अभियान, सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर 14 वर्ष की किशोरियों को माता–पिता की सहमति से मुत, सुरक्षित और स्वैच्छिक सिंगल–डोज एचपीवी टीकाकरण किया जाता है। इस अभियान तहत लगभग 1.2 करोड़ बच्चियों का एचपीवी टीकाकरण का वार्षिक लक्ष्य था। इसके मुकाबले लगभग 87 प्रतिशत वैक्सीनेशन कर दिया गया है। नौ महीने के अंदर 1 करोड़ से भी ज्यादा खुराक दी जा चुकी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा (जेपी नड्डा) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लॉन्च किए जाने के नौ महीने से भी कम समय में राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान ने बेटियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाने में यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। गुजरात, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, मिजोरम, मध्य प्रदेश और बिहार को 100 प्रतिशत कवरेज हासिल करने के लिए बधाई, जिसमें 12 राज्यों ने 80 प्रतिशत को पार कर लिया है।"



श्री जेपी नड्डा ने आगे लिखा, "यह शानदार तरक्की देश भर के राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों, हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स, फ्रंटलाइन हेल्थ वर्कर्स और माता–पिता के मिलकर किए गए प्रतिबद्धता को दिखाती है। सरकारी स्वास्थ्य केंद्र और यू–विन के जरिए पात्र 14 वर्ष की बच्चियों के लिए मुत, सुरक्षित और असरदार सिंगल–डोज एचपीवी वैक्सीनेशन उपलब्ध होने से, भारत सर्वाइकल कैंसर से मुक्त भविष्य की ओर बढ़ रहा है।" स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा गया,"भारत ने 1 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है! 9 महीने से भी कम समय में, भारत में एचपीवी वैक्सीन की 1 करोड़ से ज्यादा खुराकें दी जा चुकी हैं। हर खुराक एक लड़की को भविष्य में सर्वाइकल कैंसर से बचाने में मदद करती है। अगर आपकी बेटी 14 वर्ष की है, तो किसी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर मुफ्त, सिंगल–डोज एचपीवी टीकाकरण के बारे में पता करें। यह टीकाकरण स्वैच्छिक है और इसके लिए माता–पिता की सहमति जरूरी है।" (इनपुट–आईएएनएस)

भारत–बुल्गारिया संबंधों को मिली नई गति, रोडमैप से मिलेगा नया आयाम : विदेश मंत्री

नई दिल्ली, 21 नवम्बर।

विदेश मंत्री श्री एस. जयशंकर ने भारत और बुल्गारिया के बीच द्विपक्षीय संबंधों को नई गति देने पर जोर दिया है। राष्ट्रीय राजधानी में बुल्गारिया की अपनी समकक्ष वेलिस्लावा पेत्रोवा–चामोवा के साथ बैठक में उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश, रक्षा, शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), अंतरिक्ष, पर्यटन और लोगों की आवाजाही जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए विस्तृत रोडमैप तैयार किया गया है।

विदेश मंत्री ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से संबोधन का वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने भारत दौरे पर आईं बुल्गारिया की मंत्री और उनके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा, "लंबे अंतराल के बाद हो रही यह यात्रा दोनों देशों के संबंधों की प्रगति का आकलन करने और भविष्य के सहयोग की दिशा तय करने का महत्वपूर्ण अवसर है।"

इस दौरान विदेश मंत्री ने काला सागर में जहाजों पर हुए हमलों का जिक्र भी किया। जयशंकर ने काला सागर में हमले का शिकार हुए जहाजों पर सवार भारतीय नाविकों की स्वदेश वापसी में बुल्गारिया सरकार की मदद के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा, "हमले में घायल हुए कुछ नाविकों की देखभाल में भी बुल्गारिया ने सहयोग किया।"

विदेश मंत्री ने जून में सोफिया की अपनी यात्रा का उल्लेख भी किया। उन्होंने कहा, "इस दौरे से दोनों देशों के संबंधों को नई ऊर्जा और गति मिली थी। अब हमारे पास द्विपक्षीय सहयोग में हुई प्रगति की समीक्षा करने का अवसर है।" उन्होंने कहा, "दोनों देशों की टीमों ने सहयोग का एक विस्तृत रोडमैप तैयार किया है, जिसे बैठक के दौरान मंजूरी दी जाएगी। इससे आने वाले समय में दोनों



देशों की गतिविधियों और सहयोग के क्षेत्रों को स्पष्ट दिशा मिलेगी।" श्री जयशंकर ने भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच बढ़ते संबंधों का भी उल्लेख किया। उन्होंने इस प्रक्रिया में बुल्गारिया के समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि भारत–ईयू मुक्त व्यापार समझौता जल्द लागू होने की उम्मीद है, जिससे दोनों पक्षों के संबंधों को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि व्यापार, प्रौद्योगिकी और प्रतिभा के क्षेत्र में भारत यूरोप के साथ सहयोग को और व्यापक बनाना चाहता है।

भारत और यूरोपीय संघ के बीच सुरक्षा एवं रक्षा साझेदारी तथा मोबिलिटी फ्रेमवर्क पर हुए हस्ताक्षर का भी उल्लेख हुआ। इसके अलावा, होराइजन यूरोप कार्यक्रम को लेकर वार्ता संपन्न हुई है और दोनों पक्षों के बीच सातवीं रणनीतिक साझेदारी समीक्षा बैठक भी आयोजित की गई।

विदेश मंत्री के अनुसार, द्विपक्षीय, यूरोपीय और बहुपक्षीय तीनों स्तरों पर भारत और बुल्गारिया के बीच सहयोग की मजबूत नींव मौजूद है। इसी आधार पर दोनों देश अपने संबंधों को आगे बढ़ा सकते हैं। (इनपुट–आईएएनएस)

बजट 2027–28: वित्त मंत्री ने रोजगार और श्रम क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ की प्री–बजट परामर्श बैठक

नई दिल्ली, 20 नवम्बर।

आगामी केंद्रीय बजट 2027–28 की तैयारियों के तहत केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को रोजगार और श्रम क्षेत्र से जुड़े हितधारकों के साथ आठवीं प्री–बजट परामर्श बैठक की। इस बैठक का उद्देश्य रोजगार सृजन, श्रमिक कल्याण, कौशल विकास और श्रम बाजार से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर सुझाव प्राप्त करना था।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, बैठक में वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) की सचिव अनुराधा ठाकुर सहित श्रम मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। चर्चा के दौरान रोजगार और श्रम क्षेत्र की वर्तमान चुनौतियों तथा विकास की संभावनाओं पर विचार–विमर्श किया गया।

वित्त मंत्रालय लगातार विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों और उद्योग प्रतिनिधियों के साथ प्री–बजट बैठकों का आयोजन कर रहा है। इससे पहले वित्त मंत्री ने बुनियादी ढांचा, ऊर्जा और सतत विकास क्षेत्रों के विशेषज्ञों के साथ बैठक की थी। इसके अलावा सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र, पूंजी बाजार, बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं और बीमा क्षेत्र (बीएफएसआई), एमएसएमई सेक्टर तथा स्टार्टअप इकोसिस्टम से जुड़े प्रतिनिधियों के साथ भी व्यापक चर्चा की जा चुकी है।

बयान के अनुसार, उद्योग जगत ने सरकार को सुझाव दिया है कि आगामी बजट में उन्नत विनिर्माण, एमएसएमई प्रतिस्पर्धात्मकता और ऊर्जा सुरक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। साथ ही रोबोटिक्स क्षेत्र के लिए समर्पित उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना और अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) पर मिलने वाली अतिरिक्त कर प्रोत्साहनों की बहाली पर भी विचार किया जाना चाहिए।



एसोचैम ने सुझाव दिया है कि भारत को विनिर्माण क्षेत्र की जीडीपी में हिस्सेदारी बढ़ाकर 25 प्रतिशत तक पहुंचाने के लिए मौजूदा पीएलआई योजनाओं को और मजबूत करना चाहिए। संगठन ने रोबोटिक्स, ऑटोमेशन उपकरण, सेंसर, प्रिसिजन कंपोनेंट्स और संबंधित तकनीकों के लिए एक विशेष पीएलआई योजना शुरू करने की मांग की है। उनका मानना है कि इससे घरेलू उत्पादन, अनुसंधान, निवेश, तकनीकी आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा।

वहीं फिक्की (एफआईसीसीआई) ने सूचीबद्ध प्रतिभूतियों पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर (एलटीसीजी) में राहत देने की मांग की है। संगठन ने सुझाव दिया है कि लंबी अवधि तक निवेश बनाए रखने वालों के लिए कम कर दरें लागू की जाएं और तीन वर्ष से अधिक समय तक रखे गए निवेश पर पूर्ण कर छूट दी जाए।

फिक्की ने यह भी सिफारिश की है कि सरकार विनिर्माण क्षेत्र के लिए एक विशेष डेवलपमेंट फाइनेंस फ्रेमवर्क स्थापित करे। संगठन का मानना है कि भारत के विनिर्माण विस्तार और दीर्घकालिक निवेश आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए गहरे और सशक्त पूंजी बाजारों का विकास बेहद जरूरी है।

पीएफ में एसडब्ल्यूपी से करोड़ों सदस्यों को फायदा, रिटायरमेंट के बाद भी नियमित आय होगी सुनिश्चित

नई दिल्ली, 21 नवम्बर।

केंद्रीय श्रम मंत्री डॉ.मनसुख मांडविया ने शनिवार को कहा कि पीएफ में सिस्टमैटिक विड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी) को मंजूरी देने से कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के करोड़ों सदस्यों को फायदा होगा। साथ ही, इससे रिटायरमेंट के बाद भी नियमित आय सुनिश्चित होगी।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किए एक वीडिया में मांडविया ने कहा कि ईपीएफओ ने अपने करोड़ों सदस्यों के लिए पीएफ में एसडब्ल्यूपी की सुविधा को मंजूरी दी है। इससे सदस्य रिटायरमेंट के बाद एक साथ निकालने के बजाय अपनी जरूरत के मुताबिक हर माह, तिमाही और छमाही में किस्तों में पैसे निकाल सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह सुविधा पूरी तरह से ऐच्छिक है। किस्तों में पैसे निकालने के बाद बाकी बचे पैसे पर आपको ब्याज मिलता रहेगा।

ईपीएफओ के अनुसार, एसडब्ल्यूपी का उद्देश्य रिटायरमेंट के बाद सदस्यों को नियमित, स्थिर और भरोसेमंद आय का स्रोत उपलब्ध कराना है। इससे वे अपनी जीवनभर की बचत को एकमुश्त खर्च करने के बजाय योजनाबद्ध तरीके से उपयोग कर सकेंगे और वित्तीय सुरक्षा बनाए रख सकेंगे। इसके अलावा, हाल ही में ईपीएफओ ने अपने करोड़ों सदस्यों को बड़ी राहत देते हुए 55 वर्ष तक की आयु वाले सदस्यों के लिए पीएफ खाते से निकासी की सीमा बढ़ाकर 90 प्रतिशत कर दी है। पहले सदस्य अपने



का अधिकतम 75 प्रतिशत ही निकाल सकते थे। इस फैसले से जरूरत के समय कर्मचारियों को अधिक वित्तीय लचीलापन मिलेगा।

अब ईपीएफओ ने नौकरी छूटने के बाद पीएफ निकासी के लिए प्रतीक्षा अवधि को 12 महीने से घटाकर केवल 2 महीने कर दिया जाए। माना जा रहा है कि इससे बेरोजगारी की स्थिति में कर्मचारियों को आर्थिक कठिनाइयों से राहत मिलेगी और वे अपनी बचत तक जल्दी पहुंच सकेंगे। नई व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण लाभ यह भी होगा कि रिटायरमेंट के बाद कर्मचारियों को अधिक रिटर्न पाने के लिए जोखिम वाले निवेश विकल्पों में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। वे ईपीएफओ की ब्याज आय का लाभ लेते हुए नियमित भुगतान प्राप्त कर सकेंगे। (इनपुट–आईएएनएस)

नीलामी सूचना

हमारी निम्नलिखित शाखाओं से स्वर्ण आभूषण गिरवी रखकर गोल्ड लोन प्राप्त करने वाले कुछ व्यक्तियों/उधारकर्ताओं ने निर्धारित समयानुसार ऋण का भुगतान नहीं किया है। उन्हें/उनके वैधानिक उत्तराधिकारियों को भेजे गए सूचना/सूचनाओं का उचित उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है अथवा सूचनाएं अवितरित होकर वापस आ गई हैं।

, ls hi fjfLFkfr ; kesa g fu.kZ fy ; kx ; kgSd ; fn l ekSd xkgdksa dks Mkyk fnukad **25.11.2026 को अपराह्न 4.00 बजे तक पूर्ण रूप से चुकता/समाप्त नहीं किए जाते हैं, तो गिरवी रखे गए स्वर्ण आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी दिनांक 26.11.2026 को एसबीआई श्री विजयपुरम शाखा** में बिना किसी अतिरिक्त सूचना के की जाएगी।

इस संबंध में होने वाले सभी व्यय उधारकर्ता द्वारा वहन किए जाएंगे। बैंक को किसी भी समय नीलामी को स्थगित/रद्द करने अथवा बीच में रोकने का अधिकार सुरक्षित रहेगा। सफल बोलीदाता को पूर्ण राशि का भुगतान कर आभूषणों का कब्जा प्राप्त करना होगा अथवा मौके पर बोली राशि का न्यूनतम 25 प्रतिशत जमा करना होगा तथा शेष राशि **7 दिनों के भीतर** जमा करनी होगी। भुगतान में चूक होने की स्थिति में बैंक प्रारंभिक जमा राशि को जब्त कर सकता है।

क्र.सं.	शाखा का नाम	ऋण खाता संख्या	स्वर्ण आभूषण का सकल वजन (ग्राम)
1	**एसबीआई श्री विजयपुरम**	**44848864539**	**6.5**

दिनांक : 26.11.2026
स्थानः एसबीआई, श्री विजयपुरम

ह./–
प्राधि.त अधिकारी
भारतीय स्टेट बैंक

उपायुक्त कार्यालय
आबकारी विभाग, मायाबंदर

दिनांकः 20/11/2026

सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री समर बरोई, श्री मनोरंजन बरोई के पुत्र ने मैस आरति रिसॉर्ट, रामनगर, डिगलीपुर, उत्तर एवं मध्य अण्डमान, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह – 744202 के लिए बार लाइसेंस प्रदान करने हेतु आवेदन किया है।

इस संबंध में, यदि किसी व्यक्ति को इस पर कोई आपत्ति है, तो वह https://edistrict.andamannicobar.gov.in/PublicObjection/NewBarLicense पर जाकर लिखित आपत्ति दर्ज करा सकता है, साथ ही इस सूचना के जारी होने के 15 दिनों के भीतर संबंधित प्रमाण भी प्रस्तुत कर सकता है।

निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा।

केवल उन्हीं आपत्तियों की जांच की जाएगी जिन पर उत्पाद शुल्क विनियमों, नियमों, नीति और दिशा–निर्देशों में निहित प्रावधान लागू होते हैं।

सहायक आयुक्त (आबकारी)

ई–निविदा सूचना

F.No. Proc/14/2023-JR ASST (TSM)-ANIIDCO-AN/4387 दिनांक 17.11.2026

हॉर्नबिल नेस्ट रिसॉर्ट, श्री विजयपुरम में लीनेन एवं अतिथियों के कपड़े की धुलाई के लिए वार्षिक अनुबंध आधार पर ऑनलाइन ई–निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

निविदा के नियम और शर्तों युक्त दस्तावेज वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से डाऊनलोड कर सकते हैं अथवा वरिष्ठ प्रबंधक (पर्यटन), अनिडको, विकास भवन, श्री विजयपुरम से भी सभी कार्यदिवसों के दौरान दिनांक **08.12.2026** के सायं **5.00** बजे तक प्राप्त किया जा सकता है ।

निविदा दिनांक **09.12.2026** को पूर्वाहन **11.00** बजे तक या उससे पहले ऑनलाइन (https://eprocure.andamannicobar.gov.in) पर भरी जानी चाहिए। निविदा दस्तावेज मुहरबंद लिफाफे में रखकर निगमित कार्यालय स्थित टेंडर बॉक्स में दिनांक **09.12.2026** को दोपहर **12.00** बजे तक डाल दें, और तकनीकी बोली उसी दिन अपराहन **4.00** बजे निविदादाताओं या उनके प्राधिकृत प्रतिनिधिगणों के समक्ष खोला जाएगा ।

निगम के प्रबंध निदेशक के पास किसी भी निविदा को स्वीकार करने अथवा सभी को बिना कोई कारण बताए रद्द करने का अधिकार सुरक्षित होगा ।

वरिष्ठ प्रबंधक (पर्यटन), अनिडको

ई–निविदा सूचना

F.No. Proc-200/4/2023-JR ASST (TSM)-ANIIDCO_AN/4412 दिनांक 18.11.2026

हॉर्नबिल नेस्ट रिसॉर्ट, श्री विजयपुरम के लिए ब्रॉयलर चिकन, मटन, अण्डे एवं पैकेज ब्रांडेड फ्रोजन चिकन/मटन वार्षिक आधार पर आपूर्ति हेतु ऑनलाइन ई–निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

निविदा के नियम और शर्तों युक्त दस्तावेज वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से डाऊनलोड कर सकते हैं अथवा प्रबंधक (पर्यटन), अनिडको, विकास भवन, श्री विजयपुरम से भी सभी कार्यदिवसों के दौरान दिनांक **09.12.2026** के सायं **5.00** बजे तक प्राप्त किया जा सकता है ।

निविदा दिनांक 10.12.2026 को पूर्वाहन 11.00 बजे तक या उससे पहले ऑनलाइन (https://eprocure.andamannicobar.gov.in) पर भरी जानी चाहिए। निविदा दस्तावेज मुहरबंद लिफाफे में रखकर निगमित कार्यालय स्थित टेंडर बॉक्स में दिनांक **10.12.2026** को दोपहर **12.00** बजे तक डाल दें, और तकनीकी बोली उसी दिन सायं **4.00** बजे निविदादाताओं या उनके प्राधिकृत प्रतिनिधिगणों के समक्ष खोला जाएगा ।

निगम के महाप्रबंधक (पर्यटन) के पास किसी भी निविदा को स्वीकार करने अथवा सभी को बिना कोई कारण बताए रद्द करने का अधिकार सुरक्षित होगा ।

वरिष्ठ प्रबंधक (पर्यटन), अनिडको

ई–निविदा सूचना

F.No. Proc-200/6/2023-JR ASST (TSM)-ANIIDCO_AN/4419 दिनांक 18.11.2026

हॉर्नबिल नेस्ट रिसॉर्ट, श्री विजयपुरम के लिए वार्षिक आधार पर फलों एवं सब्जियों की आपूर्ति हेतु ऑनलाइन ई–निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

निविदा के नियम और शर्तों युक्त दस्तावेज वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से डाऊनलोड कर सकते हैं अथवा वरिष्ठ प्रबंधक (पर्यटन), अनिडको, विकास भवन, श्री विजयपुरम से भी सभी कार्यदिवसों के दौरान दिनांक **10.12.2026** के सायं **5.00** बजे तक प्राप्त किया जा सकता है ।

निविदा दिनांक **11.12.2026** को पूर्वाहन **11.00** बजे तक या उससे पहले ऑनलाइन (https://eprocure.andamannicobar.gov.in) पर भरी जानी चाहिए। निविदा दस्तावेज मुहरबंद लिफाफे में रखकर निगमित कार्यालय स्थित टेंडर बॉक्स में दिनांक **11.12.2026** को दोपहर **12.00** बजे तक डाल दें, और तकनीकी बोली उसी दिन सायं **4.00** बजे निविदादाताओं या उनके प्राधिकृत प्रतिनिधिगणों के समक्ष खोला जाएगा ।

निगम के महाप्रबंधक (पर्यटन) के पास किसी भी निविदा को स्वीकार करने अथवा सभी को बिना कोई कारण बताए रद्द करने का अधिकार सुरक्षित होगा ।

वरिष्ठ प्रबंधक (पर्यटन), अनिडको

चक्रवात अकवान के कारण लगातार बारिश से पश्चिम बंगाल में धान की फसल को नुकसान की आशंका



नई दिल्ली, 21 नवम्बर।

पश्चिम बंगाल के किसानों को आशंका है कि चक्रवात अकवान के कारण लगातार हुई बारिश की वजह उनका काफी नुकसान हो सकता है। किसानों के लिए धान की फसल की कटाई करना बड़ी चुनौती है। बारिश और खेतों में जलभराव से फूलगोभी, पत्तागोभी और मिर्च सहित कई सब्जियों की फसलें भी खराब हुई हैं। बाजार में सब्जियों के दाम बढ़ने के समाचार मिलने लगे हैं। राज्य के कई हिस्सों में बारिश थम गई है, लेकिन दक्षिण बंगाल के जिलों में बुधवार से चक्रवात अकवान की वजह से लगातार हल्की से मध्यम बारिश हुई। उत्तर बंगाल के जिलों में भी बारिश के साथ ओले पड़े हैं।

विदेशी फंडों के लिए प्रकटीकरण संबंधी आवश्यकताओं को समाप्त करने का प्रस्ताव

नई दिल्ली, 21 नवम्बर।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड – सेबी ने विदेशी फंडों के लिए डिस्क्लोज़र यानी प्रकटीकरण की आवश्यकताओं को समाप्त करने का प्रस्ताव रखा है। सेबी ने कल कहा कि लाभकारी स्वामित्व के बारे में जानकारी देने के मौजूदा नियम पहले से ही पर्याप्त पारदर्शिता और निगरानी सुनिश्चित करते हैं। यह प्रस्ताव 2023 में लागू किए गए नियमों से एक बड़ा बदलाव है। सेबी ने विदेश से आने वाली विदेशी निवेश संरचनाओं की जांच–पड़ताल को सख्त कर दिया था।

नेपाल के प्रधानमंत्री भारत दौरे पर आएंगे

नई दिल्ली, 21 नवम्बर।

नेपाल के प्रधानमंत्री श्री बालेंद्र शाह 22 और 23 नवंबर को भारत की राजकीय यात्रा पर आएंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर हो रही यह यात्रा मार्च 2026 में पदभार संभालने के बाद उनकी पहली भारत यात्रा होगी। विदेश मंत्रालय के अनुसार, यात्रा के दौरान नेपाल के प्रधानमंत्री राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे। वहीं, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 23 नवंबर को उनके साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इस दौरान दोनों नेता भारत–नेपाल संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा करेंगे और आपसी हित से जुड़े क्षेत्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान–प्रदान करेंगे।

शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी, सेंसेक्स 898 अंक उछला, निटी 25,800 के पार

नई दिल्ली, 21 नवम्बर।

सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार ने लगातार दूसरे सत्र में शानदार तेजी के साथ हरे निशान में कारोबार की समाप्ति की। इस दौरान प्रमुख बेंचमार्कों में सेंसेक्स और निटी में 1 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त दर्ज की गई।

बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 897.96 अंक यानी 1.08 प्रतिशत बढ़कर 83,919.71 पर पहुंच गया, तो वहीं निटी 50 286.30 अंक यानी 1.12 प्रतिशत चढ़कर 25,800.60 पर बंद हुआ।

वहीं दिन के कारोबार में सेंसेक्स ने 1,016.21 अंकों यानी 1.22 प्रतिशत की उछाल के साथ 84,037.96 का इंट्रा–डे हाई टच किया, जबकि निटी 50 ने 294.5 अंकों यानी 1.15 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,808.80 का उच्चतम स्तर छुआ।

निटी 50 इंडेक्स में अपोलो हॉस्पिटल्स के शेयरों में सबसे ज्यादा 5.2 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। इसके बाद एक्सिस बैंक, मैक्स हेल्थकेयर, मारुति सुजुकी, अल्ट्राटेक सीमेंट और एचडीएफसी बैंक में 4–3 प्रतिशत की तेजी आई, जबकि टाइटन, टाटा स्टील, एनटीपीसी और एचयूएल के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली।

व्यापक बाजारों में, निटी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.66 प्रतिशत की बढ़त हुई, जबकि निटी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 0.13 प्रतिशत की गिरावट आई।

वहीं सेक्टरवार देखें तो निटी प्राइवेट बैंक 3 प्रतिशत, निटी बैंक 2.5 प्रतिशत, पीएसयू बैंक 1.2 प्रतिशत तो निटी आईटी 1.3 प्रतिशत चढ़ा। इसके साथ ही निटी रियल्टी में 1.7 प्रतिशत, निटी फाइनेंशियल सर्विसेज में 1.6 प्रतिशत और निटी ऑटो में 0.65 प्रतिशत की उछाल दर्ज की गई, जबकि निटी मीडिया में 1.68 प्रतिशत और निटी मेटल में 0.23 प्रतिशत की गिरावट आई।

12 से 19 नवंबर के बीच निटी 50 में 0.85 प्रतिशत की तेजी आई और यह 25,514 पर बंद हुआ, जो 23 फरवरी के बाद का इसका सबसे अच्छा स्तर है। इस तेजी में बैंकों का सबसे बड़ा योगदान रहा; निटी बैंक 2.51 प्रतिशत चढ़कर 63,063 पर पहुंच गया।

विदेशी निवेशकों ने हर सत्र में खरीदारी की और पांच सत्रों में कुल 28,494 करोड़ रुपए का निवेश किया, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 15,067 करोड़ रुपए की बिकवाली की। हालांकि, यह तेजी सीमित रही। मिडकैप 100 में 0.67 प्रतिशत की गिरावट आई, स्मॉलकैप 100 में 1.21 प्रतिशत की कमी हुई, और आईटी सेक्टर में 3.9 प्रतिशत की गिरावट देखी गई।

एक्सपर्ट ने बताया कि कंपनियों की कमाई ही इस बाजार को स्थिर बनाए रखती है। वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में निटी 50 कंपनियों के टैक्स के बाद के मुनाफे में सालाना आधार पर 27 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह पिछले 17 तिमाहियों में सबसे तेज बढ़ोतरी है और अधिकांश विश्लेषकों के अनुमानों से बेहतर है।

विदेशों की बात करें तो, यूएस फेडरल रिजर्व का सख्त रुख और अमेरिकी 10–वर्षीय बॉन्ड यील्ड का 5 प्रतिशत से ऊपर होना सावधानी बरतने का संकेत देता है। (इनपुट–आईएएनएस)

भारतीय संसदीय इतिहास में मानसून सत्र का नया रिकॉर्ड, 100 दिन पूरे

नई दिल्ली, 21 नवम्बर।

संसद का मानसून सत्र भले ही 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया हो, लेकिन उसका औपचारिक सत्रावसान अब तक नहीं हुआ है। इस तरह 100 दिन पूरे कर चुका यह सत्र भारतीय संसदीय इतिहास में नया रिकॉर्ड बना चुका है।

इससे पहले 2008 में संसद का एक सत्र लगातार 87 दिनों तक चला था। अब सबकी निगाहें सरकार की ओर से महिला आरक्षण कानून लागू करने के लिए प्रस्तावित विशेष बैठक की घोषणा पर टिकी हैं।

सरकारी सूत्रों के मुताबिक, संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने के लिए विशेष या विस्तारित सत्र बुलाने की संभावना तलाशी जा रही है।

पहले सरकार की ओर से भरोसा जताया गया था कि विधेयक लोकसभा में 15 से 18 वोटों के अंतर से पारित हो सकता है। हालांकि, विशेष बैठक की तारीख और अवधि को लेकर अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। प्रस्तावित संविधान संशोधन का उद्देश्य परिसीमन के जरिये लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों को बढ़ाकर अधिकतम 850 करना है। इससे 2029 के आम चुनाव से पहले संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का रास्ता साफ हो सकता है।

दक्षिणी राज्यों की चिंताओं को दूर करने के लिए सरकार हर राज्य की लोकसभा सीटों में 50 प्रतिशत वृद्धि के विकल्प पर विचार कर रही है।

एक प्रस्ताव यह भी है कि 1971 की जनगणना के आधार पर राज्यों के बीच सीटों का मौजूदा अनुपात बरकरार रखा जाए। हालांकि, इस पर अंतिम फैसला नहीं हुआ है। विपक्ष ने परिसीमन पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश का कहना है कि विपक्ष चाहता है कि अगले 25 वर्षों तक लोकसभा की सदस्य संख्या 543 पर ही स्थिर रहे और राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों का मौजूदा प्रतिनिधित्व भी कायम रहे। उन्होंने एक्स पर लिखा कि किसी को नहीं पता कि नए विधेयक में क्या है, न तो सरकार सर्वदलीय बैठक बुलाकर इस पर कुछ प्रकाश डालने को तैयार है।

शीतकालीन सत्र पर भी असमंजसविशेष बैठक को लेकर अनिश्चितता का असर शीतकालीन सत्र के कार्यक्रम पर भी पड़ सकता है। इसके दिसंबर के पहले सप्ताह में शुरू होने की संभावना है।

नियमों के अनुसार, मौजूदा सत्र को आगे बढ़ाने के लिए कम से कम दो दिन पहले सूचना देनी होती है, जबकि नया सत्र बुलाने के लिए 14 दिन पहले सूचना जरूरी है। हालांकि, अनिश्चितकाल के लिए स्थगित सदन का सत्रावसान करने की कोई निश्चित संवैधानिक समय–सीमा नहीं है। (समाचार एजेंसी पीटीआई के इनपुट के साथ)

होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों पर हमलों से भारत चिंतित, भारतीय नाविकों की सुरक्षा को बताया सर्वोपरि

नई दिल्ली, 21 नवम्बर।

भारत ने होर्मुज स्ट्रेट में हाल में हुए वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों को लेकर कड़ी चिंता जताई है और इन घटनाओं की निंदा की है। भारत सरकार ने कहा है कि जहाजों पर सवार भारतीय नाविकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। विदेश मंत्रालय ने क्षेत्र में तनाव कम करने और जल्द शांति बहाल करने के लिए बातचीत एवं कूटनीति का रास्ता अपनाने की अपील की है।

नई दिल्ली में शुक्रवार को आयोजित साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हाल के हमलों में भारतीय नाविकों की जान गई है और कुछ घायल भी हुए हैं। कुछ हमले भारतीय झंडे वाले जहाजों पर भी किए गए हैं। भारत ने इन घटनाओं की कड़ी निंदा करते हुए क्षेत्र में शांति बहाली के लिए सभी पक्षों से बातचीत और कूटनीति का रास्ता अपनाने का आग्रह किया है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर जहाजों की आवाजाही की स्वतंत्रता सुनिश्चित की जानी चाहिए। भारत ने हाल में हुए एक अन्य हमले पर भी बयान जारी किया था और इस मामले में संबंधित पक्षों के संपर्क में है। सरकार ने स्पष्ट किया कि समुद्री समुदाय की सुरक्षा और उनका कल्याण भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। भारत दुनिया के सबसे बड़े समुद्री कर्मियों (सीफेयरर्स) वाले देशों में शामिल है और भारतीय नाविकों की संख्या के लिहाज से दुनिया में दूसरे स्थान पर है।

बुधवार को बाब–अल–मंदेब स्ट्रेट के पास मालवाहक जहाज 'अल–फतेह' डूब गया था। इस घटना के बाद दो भारतीय नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि एक भारतीय नाविक अब भी लापता है। घटना के बाद संबंधित एजेंसियां उसकी तलाश में जुटी हैं।

बुधवार को ही लाइबेरिया के झंडे वाले कच्चे तेल के टैंकर 'एमटी नेविग–8 मेसी' पर फारस की खाड़ी में होर्मुज स्ट्रेट के पास पहुंचते समय प्रोजेक्टाइल से हमला किया गया। जहाज पर सवार तीन भारतीय नाविकों सहित चालक दल के सभी सदस्य सुरक्षित हैं। घटना के बाद भारतीय अधिकारी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जानकारी दी कि जहाज पर हमला 18 नवंबर को हुआ था। उन्होंने बताया कि जहाज पर मौजूद तीनों भारतीय नागरिकों सहित चालक दल के सभी सदस्य सुरक्षित हैं। किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है। हालांकि, एक भारतीय अधिकारी को प्राथमिक उपचार और चिकित्सकीय जांच के लिए अस्पताल भेजा गया। (इनपुटः आईएएनएस)

भारत वेलिंगटन टेस्ट में न्यूजीलैंड से आगे निकलाःतीसरे दिन स्कोर 486/4, गिल शतक चूके, पंत नाबाद; राहुल ने 136 रन बनाए

नई दिल्ली, 21 नवम्बर।

भारत ने वेलिंगटन टेस्ट के तीसरे दिन न्यूजीलैंड पर 118 रन की बढ़त हासिल कर ली है। शनिवार को स्टंप्स होने तक टीम इंडिया ने 4 विकेट पर 486 रन बनाए। ऋषभ पंत 55 रन पर नाबाद लौटे।

कप्तान शुभमन गिल दिन का खेल समाप्त होने से ठीक पहले 98 रन पर बोल्ड हो गए। वे महज 2 रन से शतक चूक गए। गिल से पहले केएल राहुल 136 रन और देवदत्त पडिक्कल 80 रन बनाकर आउट हुए।

न्यूजीलैंड पहली पारी में 368 रन पर ऑलआउट हुई थी। जसप्रीत बुमराह ने 4 विकेट झटके। आकाशदीप को 3, अंशुल कंबोज को 2 और प्रसिद्ध कृष्णा को एक विकेट मिला।